आपके स्वेच्छाचार का उद्देश्य (50 शब्दों में)

1973 से 77 तक कॉलेज शिक्षा के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक के रूप में कार्य आत्म सन्तुष्टि के लिए था । 1978 से 80 तक नेहरू युवा केन्द्र में बतौर राष्ट्रीय सेवाकर्मी काम करने का उद्देश्य स्वेच्छचारिता से जोड़कर आदर्श गाँव बनाने के उद्देश्य से किया । इसी युवा क्लब के माध्यम से 1985 से 90 तक हरियाणा के विभिन्न जिलों से ग्रामीण युवाओं को आमन्त्रित कर युवा प्रशिक्षण शिविर आयोजि करने के पीछे अपने गॉव में शुरू किये स्वेच्छाचारिता को पूरे प्रदेश में फैलाना मकसद रहा । 1999 में इन्हीं प्रशिक्षित युवा संगठनों को लेकर राष्ट्र सेवा के निमित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्राकृतिक आपदा राहत ग्रुप का गठन किया ।

आपकी स्वैच्छिक गतिविधियाँ क्या हैं ?

1973 से 77 तक राजकीय महाविद्यालय महेन्द्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक के रूप में 'गंदगी और बिमारी के विरूद्व युवा', 'अकाल के विरूद्व युवा', 'निरक्षरता के विरूद्व युवा' अभियानों में भाग लिया । निरन्तर चार वर्ष महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार ने स्वेच्छाचारिता के पाठ को पक्का करने का काम किया ।

1978 से 80 तक स्वेच्छाचारिता के प्रशिक्षण के उद्देश्य से नेहरू युवा केन्द्र गुड़गॉव में राष्ट्रीय सेवाकर्मी के रूप में काम किया । इस दौरान ग्रामीण युवा क्लबों का गठन कर श्रमदान शिविर, पौधारोपण, ग्रामीण खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रौढ शिक्षा केन्द्रों का संचालन प्रमुख गतिविधियाँ रही ।

1980 में गॉव लौटकर युवा क्लब 'ग्रामीण विकास मण्डल' का गठन किया । ग्रामीण जीवन में समरसता पैदा कर युवाओं की ऊर्जा का उपयोग सुन्दर समाज निर्माण में करना इसका मकसद था ।

ग्रामीण विकास मण्डल के माध्यम से स्वेच्छाचारिता की प्रमुख गतिविधियाँ :–

1. गॉवों में सफाई अभियान, पौधारोपण, दहेज और नशासेवा के विरूद्व अभियान, श्रमदान से गॉव का पंचायत भवन निर्माण, क्लब भवन और मन्दिर निर्माण, किसान क्लब तथा स्वयं सहायता समूह गठन, जल साक्षरता अभियान, पर्यावरण, चेतना शिविर और बेटी मिलन उत्सव ।

2. स्वच्छाचारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1985 से 90 तक युवा प्रशिक्षण शिविर आयोजन किये । गॉव निहालगढ में आयोजित इस साप्ताहिक प्रशिक्षण शिवरों में प्रदेश के तत्कालीन दस जिलों के चार सौ युवाओं को प्रशिक्षण किया।

3. 1993 के महाराष्ट्र भूकम्प के बाद देश में हर प्राकृतिक आपदा के दौरान राहत सामग्री और स्वयंसेवक दल के साथ जाकर आपदा प्रभावित गॉवों में राहत शिविर किये । यह राहत सामग्री प्राकृतिक आपदा राहत ग्रुप में शामिल विभिन्न संस्थाओं ने जुटाई ।

प्राकृतिक आपदा राहत शिविर विवरणः–

प्राकृतिक आपदा	**राहत सामग्री**	**स्वयंसेवक**	**आपदा प्रभावित गॉव**
महाराष्ट्र भूकम्प–1993	गेहूँ, साड़ी, कम्बल, बर्तन, मू0 5.40 लाख	राजेन्द्र कुमार देशराम, रामसिंह	खिल्लारी, लमजाना, गांजनखेड़ा, गुलाल, जिला लातूर
उड़ीसा चक्रवात–1999	दवाई, मोमबत्ती, जूते चप्पल,रजाई,बिस्कूट, मूल्य–6.00 लाख	राजेन्द्र कुमार, देशराम, रामोतार, चुन्नीलाल	जगतसिंहपूरा, जाजपुर, केन्द्रपाड़ा के गॉव
गुजरात भूकम्प–2001	चावल, साड़ी, कम्बल दवाई आदि मुल्य–7.50 लाख	राजेन्द्र कुमार, चुन्नीलाल, ओमप्रकाश, बलबीर, सतीश शर्मा	भावपुर बेला, मोटा बेला, देवगढ़, सोरवड़ी जिला राजकोट

सुनामी –2004	चावल, साड़ी चटाई अण्डर–गारमेंट, दवाई मुल्य 8.30 लाख	राजेन्द्र कुमार, ओमप्रकाश, बलबीर, ईश्वर शर्मा, राजेन्द्र कुमार	चिनान्कुड़ी, चिमनामड्ड. पुडुकपम्म मेडथूकुपम्प, जिला नागाई
जम्मू–कश्मीर भूकम्प–2005	नकद 51000	राजेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, सतीश कुमार	राहत शिविर, नेहरू युवा केन्द्र, श्रीनगर
बिहार बाढ–2008	साड़ी, चावल, लूंगी, चटाई, कम्बल, लड़कियों की ड्रेस, आटा मु0 8.50 लाख	राजेन्द्र कुमार ओमप्रकाश बलबीर सरदार सिंह सोमबीर	मुरलीगंज (सुपौल) कॉलेज राहत शिविर पुर्णिया
उत्तराखण्ड बाढ़–2013	चावल , दवाई, साड़ी कम्बल, तिरपाल, चटाई, मु0 8 लाख	राजेन्द्र कुमार, सोमबीर, सरदार सिंह, राजेश, ओमप्रकाश	बन्दरकोट, गेवला, मातली (उतरकांशी)
केरल बाढ़–2018	चावल, साड़ी, दाल, बर्तन, बच्चों के कपड़े मु0 12.00 लाख	राजेन्द्र कुमार, नत्थुराम, चुन्नीलाल, बलबीर, रविदत्त	आदिवासी बस्ती पहाड़ी (मालापुरम)

4 स्वतन्त्रता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में आजादी के पचास साल में क्या बदलाव आया, यह जानने समझने की उत्कण्ठा से साईकिल यात्रा की । 15 अगस्त 1996 में चरखी दादरी के स्वतंत्रता दिवस समारोह से पांच युवा राजेन्द्र कुमार, ओमप्रकाश, हुक्मसिंह, चुन्नीलाल और ओमप्रकाश साईकिलों पर निकल पड़े। हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश की 47 दिन की यात्रा के पश्चात् 2 अक्तूबर को बापू की समाधी पर पहुँचकर राष्ट्रपिता को मूल्यांकन यात्रा का वर्णन सुनाया। स्वपोषित यात्रा में यात्रा मार्ग के किसान, राजनेता, युवा

सामाजिक संगठन, प्रशासनिक अधिकारी और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से चर्चा की । ब्रह्मकुमारीज मुख्यालय आबूरोड़, स्वराज आश्रम बारड़ौली, साबरमती आश्रम अहमदाबाद, सेवाग्राम वर्धा, एस.ओ.एस. बाल ग्राम लातूर, पवनार आश्रम, नाँदेड़ साहब गुरूद्वारा यात्रा के प्रमुख पड़ाव रहे ।

5 8 अप्रैल 1996 से चरखी दादरी में मोतियाबिन्द मुक्ति अभियान शुरू किया । प्राकृतिक आपदा राहत ग्रुप और ग्रामीण विकास मण्डल के साँझा अभियान के अन्तर्गत चरखी दादरी, भिवानी, झज्जर, रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ जिलों में अब तक 564 निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों में एक लाख से अधिक बुजुर्गों की आँखों की जाँच कर 19800 रोगियों के सफेदमोतिया के आप्रेशन करवाये गये हैं । जनवरी, 2009 से राहत ग्रुप के माध्यम से महेन्द्रगढ़ में प्रतिमाह नियमित नेत्र शिविर ग्रुप के सदस्यों के मासिक योगदान और लोगों के शादी, जन्मदिन, पुण्यतिथि के अवसर पर प्रायोजित किये जाते हैं । यदि स्वेच्छाचारिता के साथ आर्थिक मूल्याकंन किये जाये तो प्रति नेत्र आप्रेशन न्यूनतम पाँच हजार की दर से 19800 आप्रेशन की 10.90 करोड़ की सहयोग राशि बनती है ।

6. मई, 2015 से 'चलो गाँव की ओर' अभियान शुरू किया गया है । अभियान के अन्तर्गत गावों में बेटी मिलन उत्सव, किसान क्लब गठन कर जहरमुक्ति खेती, जल सरंक्षण और महिला स्वयं सहायता समूह गठन कर महिला प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

7 मई, जून 2017 में चरखी दादरी जिले के सभी 173 गॉवों में जल साक्षरता अभियान चलाकर पानी और प्रकृति के प्रति प्रेम जगाने का काम किया ।

8क) देशभर में चल रहे रचनात्मक कार्यक्रमों में स्वेच्छचारिता को प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से डॉ0 एस.एन. सुब्बाराव द्वारा संचालित राष्ट्रीय सद्भावना एवं श्रम संस्कार शिविरों भाग लेते हुए नियमित युवाओं को भेजा जा रहा है ।

ख) जल पुरूष राजेन्द्र सिंह द्वारा संचालित जल सरंक्षण के काम में योगदान रहा है । राष्ट्रीय जल बिरादरी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में 2004 में राष्ट्रीय जल यात्रा में शामिल रहा ।

ग) 1998 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त स्व. टी.एन. शेषन द्वारा शुरू किये देशभक्त आन्दोलन में दो वर्ष हरियाणा का दायित्व स्वैच्छिक रूप से निभाया ।

घ) 1980 में इलाहबाद में देशभर के नौजवानों द्वारा गठित राष्ट्रीय युवा परिषद्, 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री के ओ.एस.डी. अखिल बक्षी द्वारा गठित राष्ट्रीय युवा शक्ति और ब्रह्मकुमारीज द्वारा संचालित स्वैच्छिक समाजिक अभियानों में भागेदारी कर स्वेच्छचारिता को बढ़ाने के प्रयास किये ।